Title : Need to provide assistance to protect crops from monkey menace especially in H.P.

डॉ. राजन सुशान्त (कांगड़ा): सभापति महोदय, आज देश में एक बहुत बड़ी समस्या खड़ी हो गई है, जिससे किसान परेशान हैं, इंसान परेशान हैं और बन्दर भी परेशान हैं। वह समस्या है, बन्दरों के लिए जंगलों में फलदार वृक्षों का न होना। आज स्थिति यह है कि जंगलों में बन्दरों के लिए फलदार वृक्ष नहीं बचे हैं। इसलिए बन्दर अपना पेट पालने के लिए गांवों, देहातों और शहरों की ओर भाग रहे हैं। वहां आकर वे बच्चों, महिलाओं और आदमियों पर हमले कर रहे हैं। इस कारण ऐसी परिस्थितियां बन गई हैं कि वर्ष 2007 में श्रीमती प्रियंका गांधी को भी एन.डी.एम.सी. में एक ऑफीशियल कंपलेंट इस बारे में करनी पड़ी थी। इसी प्रकार से वर्ष 2007 में ही दिल्ली के डिप्टी मेयर बाजवा जी की मृत्यु हो गई थी और दिल्ली में आज यह स्थिति है कि पी.एम.ओ. ऑफिस, साउथ ब्लॉक और राष्ट्रपति भवन के आसपास बन्दरों के झुंड के झुंड देखे जा रहे हैं। इसके कारण विकट समस्या खड़ी हो गई है और बन्दर इस हद तक चले गए हैं कि दिल्ली की मैट्रो में भी सफर कर रहे हैं। कहीं-कहीं वे अपनी प्यास बुझाने के लिए शराब की दुकानों पर भी शराब पीकर मदमस्त हो रहे हैं और लोग उनसे डर रहे हैं।

महोदय, लोगों को बन्दरों के आतंक से तंग आकर अपनी रक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट और सुप्रीमकोर्ट में गुहार लगानी पड़ी कि उन्हें बन्दरों के आतंक से बचाया जाए। दूसरी ओर किसान भी परेशान हैं, क्योंकि उनकी खड़ी फसल को वे नुकसान पहुंचाते हैं। वे पूरी साल मेहनत कर के अपनी फसल उगाते हैं और अन्त में उनकी फसल नुकसान दे रही है। इसलिए मैं भारत सरकार से आग्रह कर रहा हूं कि इंसानें, किसानों और उनकी फसलों को बचाने के लिए जल्दी से जल्दी टास्क फोर्स का गठन किया जाए। हिमाचल प्रदेश और दिल्ली जैसे राज्यों के अंदर किसी बटालियन का गठन किया जाए, जो फार्मर्स बटालियन फॉर प्रोटैक्शन ऑफ क्रॉप्स और फॉर प्रोटैक्शन ऑफ ह्यूमन लाइफ हो। आपने मुझे इस महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का समय दिया, इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं।